রেথাক্ষর-বর্ণমালা

ঐছিজেন্দ্রাথ সাক্র

2012

কলিকাতা

(ब्याभव वर्गप्राला॥

श्रेमम अप्या।

मिभभ न्यश्वमं ॥

र्वात्रम इनवर्ग। ব্যস্ত্রণ বর্ণ বহে সেত্রিশের কম। का'त् क्रानि, कात् क्रील, अभन्या विभन्न॥ अक री राज्ञाह - पूरे व कि जर्र ? क्रीराउ-म रिडा-म ल्यंत्न त्क जार मूर्जिनी ? नेइ ने अड़िल अवि' (मिल' (वनिकेर वद्रनेभाना'त आर्व भाषा'(व ना मिक्॥ **अन्तर्भ र्ववर आ**त सिन अहिन ना। अलाहेल ज्ञानाञ्च – पुण्लि भ्या ॥ अ. प्रेरो । जाइन त्यार प्र- प्रत्यत्र विथ। किविलान पूरे (गल, तिस्त विला) वर्ल वर्ल वामि'लान वर्ग आपे आहे। प्रावि आरे र'ला लान वित्र नवारे॥

क्षवर्त — क-४ अ-५ १-५ ध-४ - लड'। उभवर्त लिम्न – उ-भ अ-४ ४-४ ४-५॥ व-४ ड-० ४-५ ३०-६ – नेर्वेपल लफ्टे। व-भ ल-४ ४-म इ-५०, वभ-वल (अक्टे॥

र्द्धारं र्द्धार्वे।

माबर मा इमं तादी करणी महंचहं,॥ चीरकं हेंडबं- धार्च क्रियड्नेम कर्टे,— रक्षा गर्मे पृषं पीप क्रिय्ट क्ष्म मिर्टे, खापा मार्ष क्षि व्यक्त क्ष्मी सिंड चीरक हं खापा मार्ष क्षि व्यक्ति म- हे- हें वैष्य म- हे- हें वैष्य में

भार ।

मैसिना अट्सख्यका टिक्सिमसंग्री त्रांच्य सर्भेषंत्र न्यायन या द्वा यामस दिख्या यस शास्य त्यावा ॥ न्यात्रात्व प्रक्रिया यस स्था

मिञ्जिमं लग्धामं॥

পরি বর্গপতি।
কা-বর্গের ক-মহার্পী;
কা-বর্গের ক-মহার্পী;
কা-বর্গের ক-মন্বর;
রম-বর্গের ক-জনধর;
গার বর্গের গোর ডাধিপ
বর্ণিগালা, বুল প্রদীপ॥

क्षवर्णात कै- त्वभा।
क-त्वभा त्वज्रत एडिं, एटिंत एपन।
क्ष्रु में डिं (1), क्ष्रु कि (—), यथन (यपन॥
यह शिनिलाप्र में डिं (1), के हेशत नापन।
रिते कि लिखित के के हैं (॥) प्रहे लिखिलाप्र॥
हिंदे के लिखित दें के दिं मूर्ड शेरिन।
हेश द्व अत्वाध प्रम श्रुत्वाध ना प्रात्म॥
यक शित लिखा एडे लिखितात पास्।
जाश (म र्क्यान श्रुं व — सिख-माला नास्।।

काता किन्ना गरे प्राप्त - आइएम डीनगर। भाष्कात्व नम् क्ला L अगर निरंभ।। कि मुम्ब कक क्ला L अगर निरंभ।। किक निरंभ। परे, परे L ककका।

(नअनीर श्री ।

श्रम '(र (नअनि रहन श्रित ।

श्रम कि नह डिलिना प्रमान ।

प्राचा ना प्रमान ।

प्रम

उभवाने छे-(वृष्ण)

र्ज (वृष्ण) श्राम वार्ण, प्राफ्षण मधन।

रुज (मन () रुज मव (), प्रभूत (प्रम्म)।

जिपि- प्रत्थे श्राम (मन ()) प्रभूति (प्रान्म)।

जिपि- प्रत्थे श्राम (मन ()) विश्राद्य (ह्या।)

(मन निभ्रभुओ (क्या (\), मक् डेई भूओं (/)। **শেনে শরে धनधन ৫লে** বোসারুন্সি॥ 13-57:-

ডাব্র ব্রহিট ব্রহ্রত্ব ওঃইইই

লেশনীর প্রতি। मिमाष्ट्रि (एक् বালিভেছি ফেব্ৰু

मित्र प्रभाग विला-

নেবো না এতনে 👌 र्वाभा भाषा (अरका (नर्ता' । \\ !

१ खेल्य माम ल'एम् भाभ, वार्तित अस्य रिन'ना मित्र। र्वे निर्मिष्ठ र'त्न ज्या प्राप्ते, मिंडि जिनि भित ज्यमनि ॥

वार्यल: -

1 N N VV NLA 303424 4242 424 48

रा मका क्षंक् — हिला ने र् किट्टा म्हर है । किट्ट कित कित भी किट्टा किट

 प्रस्कृत मन क्वर मन क

निम उन्हें निम उन्हें

रअवरतीय रि-(वश्रा। विल'वाश्रा शान-धर्मभ्रम्। नि-(वंश्रा धान-धर्मभ्रम्। नि-(वंश्रा धान-धर्मभ्रम्। वि-(वंश्रा धान-धर्मभ्रम्।। भिनक्षिरण्यं ग्रीने (खप्र (पनार्थ-भ्रिमक्षिरण्यं ग्रीने (खप्र (पनार्थ-भ्रिमक्षिरण्यं ग्रीने (खप्र (पनार्थ- भार्त व्या निहा गासिनं उत्ता वं न वं भार्य भारत (भारत) (मार्क) वं - (वं भारत (भारत) (मारक) वं - (वं भारत (भारत) (मारक)

र्टिश्च प्रश्न प्रमुख्य प्रमाय ॥ प्रिक्त प्रमाय । (क्रिन प्रमुख्य) , में - अवत्य ।

त्र ति क्षित्र मिद्रा में खाड़ा। साझा, क सिशिन क्षुर लाहे। म भू हि श्रूप्र ने पश्चिर केंसे। क्षित्र ब्र्यूक्तर्नेन पश्चिर केंसे॥ भू हि श्रूप्र ने पश्चिर केंसि। क्षित्र क्ष्यर्नेन पश्चिर किहा।

માર્ગ નિર્ધા ચૂા છા. લહે ! આલ્ટ (શ હહે કે - ઉજ્ય, યા ઉત્તર !! માર્ગ કે નિર્ધા ચૂા છા. લહે !!

ताड़ त्वल द'न कति जनीत। कित विल' तारे लेकिन हाल,

दिन्नभूभी प्रांडि सम्मेशी हैंडें सम्मेशी हैंडें दिन्धभूभी हैंडेंदें मिल्यं क्षि भिष्मेश्री में इसे हिन्द्र या सूर्राहे क्षितं क्षि समिल्यान श्रीभाग-वाबन्धा।

एक एकं:-केंग्र में भारत मूं हिता केंग्र में में में में में में में के किया हैंग्र केंग्र में में के किया हैंग्र केंग्र

निर्देशमं निर्देशमं अभिन्यत्वं विशान-बाबक्राः

थियुन्हिन धारा अस्ति भूत त्य ॥ नुरक्ष नुरक्ष प्राप्त अस्ति हुर्स प्र

(मुन्म (एए। -

aia e aia aia aia a aia a monto

वृद्धाः मार्थे मिडासान।

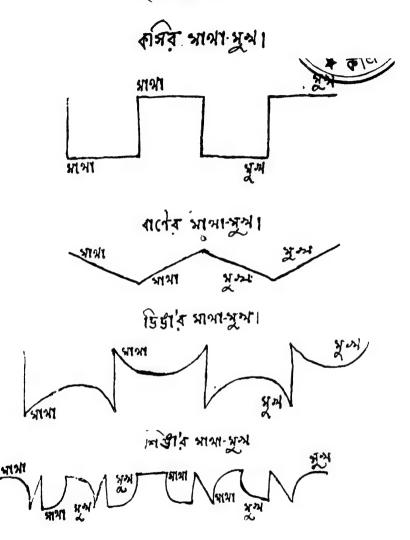
प्रभ एकः । — इसर् ज्याच हिहानं शाप्ता

211424112414

-ठेड्डां में अशोग ॥

> स्राध्यं स्थान मेन्य। स्याह्यं स्थान्य - मेन्य।

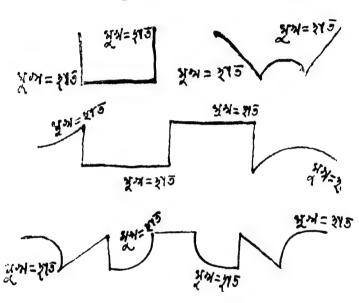
তৃতীর অধ্যায়।



र्रों का-इक्टिंग गाहियः । भूत्य शां (ड (अस मार्च , आर्थ) डींद डिन। निस्त्र विद्ध आरं भावक न्याकी ।। नेस्प्रं मैकन्मान (ब्रासिमा भूर) कि प्रेयरं सत्पाइवं प्रैक्शमच इन्छ॥ आभूड़ं र कुर्भि भरा वार्डा धूवि धूवि , (ৰূম্য ধ্ৰুয়ায় হ্যত থো সুৰা· থো সুৰু] ॥ श्टिंग का अत्रा (फिंभे अत्व वल्न "वा जि **प्रभान्न** क्षिट्ट किन्न क्ल नत् नाझि ॥ बिरिक्षेत् ४४० श्राड कम नत्र वड़। ह्ला-क्ला मा आमू'क् – काला भूग पड़॥ त्रहारे (माभूग आपि भ्रश भरा भ्रमी भारत्मर १ वर्षे हा एव (स्राञ्च नाम यान ,॥

इ.स. इ.स. १ राम में में त्या है।

आत्म ना अत्मिष्ठ (लात्म ब्राल ठारे छुँड़॥ आत्म मात्म प्राभी भानि (लात्म जारे माति (अस्नारं पूर्णकाल, एमत्म नभात्मु॥ (अत् क्वं प्रमात प्रमात क्षित।



एक (हलं! — डेक्स्रेंकी (मर् पंत्रा ' प्रश्रा शहरू' तेम मांच दूष घाष्म गएम, में सहरू' श्रिमें मांच युद्धि घाष्म ' क्रिं प्तर चक्ष ॥ तेम पांच युद्धि घाष्म ' क्रिं प्रमें सहरू' तैमी (वंभ्या। तेस्रेमेभी ४-२.ं१ खंभा | \) (१ अमे में भी ४-२-ं रवंभा |)

रियार्का के क्षेत्राह मैजी पास घाली। मैज्यमें जिस्साह माहिन, प्त पंत्राक्ती, देहें मंजी पिहि अपं पुष्टि साहिसार है। देखार में में में पंत्र पित्र प्रिमें जा सिहा।

जर्यका: — तिर्धमामी दिल्ल (मा,में) सिम्ममामी कूट्ये। में भीया व्यक्त्या मीमें भागी आक् द्वां । भागी (यंक्या।

स्ट्रियामी ६- य- (वंशा के द

(बंभाक्षं। भार (जब्द (अ.स्)

"अद्धी विभि (आ) हो। में भगई कार्याका। अद्धि मंख कहिं, मांने शिवने विभाक्। भारतं आहिंदियां ता अवने मंखां भारतं आहिंदियां ता अवने मंख

ं आमी इ-२-गं-वं नवर न्त्र जार था। आमा मंहि निश्चभुन्नी भानिष्ट निन्छि। आर। यार्न भिन्न-त्यन (💙), आर। हिडि किन्न(💛):: भाग थुन क्या अशो – आद्य सर्वे, मार्ड ह अधिय- नम्ने (यन नर्डन- निजार ॥ यांच भाभी - यंत्रस्या प्राप्त-तैकावित्य (अश्रुका द्र'तः याम् तिन्म अपृत्व ॥ माडिमा रेवर जिल म्बलर अकार, युभवत्त कवित्तन (आजिभ) श्वीकाव ॥ नुबूरे धारा व रस निषयूओ र'ल्न []। नैसर् त्रायां इस मेल मत्त (अप्ति]।

्रास्त्र बल "कथा १ छ। ज्व भिशा नम्-अरेविहाल बल (भलरे बनविहाल इस्"।

42 44 22 24 42 44 N D NN NN A आमी क आमी 2 आमी य

 がはまま
 みはなま

 ではまま
 みはま

 ではは、
 みのでは

 かがま
 みばれ

D-वर्षावं D-अ हे कि चया है धावा है ॥ चट्टं श्राक्षा। इंट्रेश् अग्रोमं॥ क्लिश् नडेब, र ड, नवर्त-व्या। त्रवार्तिक ब-ल एषि वाध-लप्प्रवा। एक (४ए: —

ক-মর্নের	T 45	य (प्राज्य
তি-বর্ণের	J 15	भ (भक्षा
न-वर्शन	न वड	- ९ (भ(जा
র-বর্গের	त् वड	न (भाषा

বভ়-সেঞ্জো'ব ভেদ-চিহ্ন।

जांस्ति भारत नागा त्या शह आह आहा। यहं सर्व आहत शह, (अत्यांत्य वाका॥ यहं सर्व अद्भागि, यह मानि (अत्या। जांतिहरीय विद्या (अत्याप शही हेर्

स्क्रियंभी /) (स्क्रियंभ /) (स्क्रियंभ /) (दिक्षनामी क म

उक्रमानं प्रश्रा ।

सिम्भूकी ।

अ अ न न

प्रम्भूकी ।

प्रम्भूकी ।

अ अ न न

द्रक प्यर मॅड्मी क्तिमाग १४७ भभन में(क, १क वाल (लाक ज्ञान जोंक॥ भाग-(काला जांग में) किल्न शाज, वाल "प्र मॅड्मी" उर्भ्राने१९॥ जांग भाभी:—

रिमेशामी शामरास्ट — रेंक | स्टिक

अक्षर्रभी माहिन्छ । क्ष्मी क्ष्रें भी महिन्छ। क्ष्मी

दिस्रेने पान इन्हें । क्षेत्रेन े क्षेत्री े क्षेत्री े क्षेत्री

ीदंस्ता : — बह्नारिक मार्स मार्च क्रिक् मार्च-धरते ॥ बह्नारिक मार्स क्रिक्स (क्रिक्स मार्च-धरते ॥ क्रिक्स क्रमा ।

भ रभव न अनक

र्म स्थान क्षेत्रक अर्थ स्था स्थान स्थान

अ कश्रम ल नलक

(भाष् ज्ञाता वंडमी। कुद्ध मिं हि डिडि वार्न, रेशामिन कर ला (ड अषि र दं नी कि में ल भिर पर म पांक ललांक लात् भीन (म अजाना — मैषिरें मं एकमा थड़, यूहे धार आधा। साएड विशीन वॅड्मी। क्रित्र किथा नुद्ध धारि ध्वा मिष्ठं पुरक, (मारह इ'र ना मिल ब्हेमीर में देन ॥ भाष्ट्र येवा बालाव । এস লো কৰি বুৱা। (एअ-(र सार्ट- र्या॥ (प्राएशता रॅंड्मील रूड्-कार्स)

अव अव । अव क्षत्र है व देव है व कहें व

साए जाता रेंड्मी र प्रेंडि भर्भा भक् भक् । भक्षक विक देक दिक कड़क (मारे होस्य द्रेमी ७ यान-महम्मा NVINNINN ,/WI भड़े भड़ भ उ क्भड़ इड देंड दंड कड़ (प्रार्षेत्राचा इत्राह्म (२ हि हि तरमा भन भन भन जभन लन लन लन रलन भन भन भन हम हम हम रहन (पाएड विहीन वेंड्मी क किम मर्था। トードルト アーケーシールード भ क अक अ क उ अक ल क ल क ल क क ल क राम इं विशेष इंडे ना १३ वें से नारमी। भरं अर्थ भरं देशर ज्या चय चय चय स्थल

> वड्- अला- अला- ल्लो।
> कवर्तन, कथनध, क्ली अहं जाने;
> उदर्तन, उथन्य, मणन- विशनी;
> वदर्तन, उथन्य, मणन- विशनी;
> वदर्तन, वलपह, अभीन- हिल्लान;
> जानि वन्तान अहं जानि जाने कीन वह अला अल्ला जाले। कहिनाभ प्लिंग।
> वस अला:—

	₹3	(জনা	পেগো	ধোঞা
কৰগেৰ	4	. 4	না	ध
তৰপের	5	্ধ	五	4 -
नवलान	• ,	6.7	भ	28
রবগের	Ş	िर्दे	ম	2

त्यका त्यारि दे प्रायमितिका बड्- प्राकाहार हा जा-प्राफ्ता आर शांह मनार्द्ध माम। लाल् शाम , जारे , आता की व नारे ी रहमाहि सूस ॥ લગ હલ :-र्ममूमी) ८००० सिल्यामी क <u>भ य से पुर</u> प्रमानी का जा में से अ अक्-(भाष्ट्रेगा।

निमपुन्ती (नेना इस मश्राक्षरे मीन (1 >)। मार्त्यु (बला (सा हा क्या खा; (हलं क्यूर (- - ~) ।। भव (एए। कार्य - वेंबर-मेन्स) (बन्मा अक्रोल अर्क्ल / V D / (भागे करिं) (लआ। इस ग रहल हेट रेमा अपेशमा लिक्सी जिमार जारे भातिए ना राम ॥ त्मअनीर क्रिंभ भूभ क्रांभ श (उ भड़िं), स्रित् राम्हरणं राम हत्राम्ह ॥ (न अनी छंडिया माले त्यन् भिन् ४३'। २भन लभ' भा निलें - लभ' " VV १११न"॥ पिन भिन सर्वित रेत अब कि दूंशला ? त्राष्ट्र रेश्मी स्थापा थास देवतं ना त्राच ॥ भरस भन्नाम में (व. म्राहित्व (भञान्। सक्रात भूतिल इ, त सर्मपार्य ना । क्रिभी भ्याद आन ना , आन ना (मनी हिन्) ना-अर्क ना-लाला कवि माहित (अर्भिन्॥ (बुकाञ्च्य १'रव ज्य आडग्रन अश्वीन। भाग मिल आणे रत - हिन् मिल भीते॥

अला लाका अंत्य हल

ग्रम था ग्रम ध्रम ग्रम थ्या ग्रम था ग्रम विश्व । विश्व । विश्व । Mrs relations ग्यम तत्रक यग्ने तत्रर् । भग्य ब्रह्म १ म्यह ब्रह्म १ एवं ब्रह्म व NV JJ JZ ZZ प्रथम ब्रह्म अयव अतत अयर अत्व अयम अत्य अवस् warre H by W by mbn प्रम चन्छ सम उन्द्र विषय स्थित थिम सक्ष समा सर्केष गमन सेकर भाग रेतरत मनम इन्नर सममम M BY DA BEN DA BE र्क्रि गमस्त्रम रहस्रह ययसम्प सहसर्स स्मार्म ise un venur ure सर्पर्य अमसमस लडऋड्ऋ अमेनग्रेम सरद्सरद

(अप (स्ता: — अपन्य अपन्य विषये विषये अपन्य क्षां अपन्य क्षां अपन्य विषये विषये विषये अपन्य विषये अपन्य विषये अपन्य विषये अपन

		বছ	व्यक्त	બલા	त्यात्भ
	क ्रवर्ग	ক-৮	4-4	71-39	E1-41
•	उषवर्ग	3-9	भ- भ	K-4	४-९
	. तक दर्भ	न- छ	\$.0	ম-ড	23-T
	नअवर्ग	4 - H	A-79.	ય-મ	2-35

ग्रंभुरं सामांत्र (साम्यः स्वाह्यः) राष्ट्रं सामांत्र विष्यं स्वाह्यः। ज्यामंत्रकांष्ट्रं।

प्रभ (एए। :-

Garral	1 Q	1.8.1	18	1,9,	1
14.42.41) \	01 25	E A	7 4 6	
ו) ענ	11	1	11	16	١
देशभूभा	16	10			•

रियम्भी - व न न न न न न न न



अन्धेवास (रम्भ मत्य (मश्र प्रश्न मश्र) जिन्हित्रः प्राक्रा ब्रेहीस अरथां द्वारं वेहीस अयह (M24 (RCV: -

विश्व (भ प्राप्ताला) विभा

बक्र भामि द्वामाय श्रेष्ठ भूषे कर्द, ज्ञात्वर मेकाक गांत त्रांका गांत हांता मेग्रास्य विभा। स्थिते श्री विश्व के प्रति विश्व के त्रिक विश्व के ार संद्यः — भाश्य ग्रेसट पेरियास- याम श्रट सेश्री क्ष्य्या अस्त्र श्रांत स्वस्त्र संस् र्म्य्या अस्त्र श्रांत श्रांत स्वस्त्र सामा स्वस्त्र प्रांत्र श्रांत ह्यं सामा श्रिक्य रवः मेल्लु स्थर।

(x) 1 0 1 6

本生 3 k は 4 k 3 x

(2) 🔻 _ 💥 _

ह कर हमा जा दिल कमा है देन कि

x san enn [e re re]

9 1 9 1 (c)

PAKE RASE RASE NA SAKE ALE A

(8)本一知一

DE DE SER STANGE STANGE STANGE STANGE STANGE STANGE STANGE STANGE RESERVE RESERVE

(0) /} ~~

REN NA SER NA SER NA PROPORTO

(9) ge go

(b) # 500

として(ぐ)

GENT GENT HET HET IN SHA SET

(>>)(()(6)

विसंवित्तम भारता स्थान के पर्य प्रमान स्थाप स्था

(25) Co

· उपर उसर अ ट्रांभ उस्म भ अंगे। उस्म अस्म उस्म असम् अस्म अस्म असम्म अस्म असम्म असम्म

पिश एतं:—
दिन्य क्षिताष्ट्रियर जीय यह स्तर ॥
कित्य क्षिताष्ट्रियर जीय यह स्तर ॥
कित्य क्षिता क्ष्य क्ष्य क्ष्य स्तर असे ।
प्राप्त अस्त क्ष्य अधा भिष्ट्रियर जानं।
प्राप्त भिष्ट्रियर प्राप्त यामे नामे
प्राप्त भिष्ट्रियर भ्राप्त यामे श्राप्त भ्राप्त भ्राप्

23	44	नुआ	ऑपा (पाज्य	हिना लाजीय
6	,	2 2	भग्न हिर	भग्न. हिट
6		E 27	भूष भूष	र् १४ भग्न

शूर्ववर्ग	र आ	ऑं जा (मार्नेत्र	िना लार्केत्र
7	2	20	رور
শ	अ	সনস	अलभ
5	2	P	Les .
न	अ	কলস	रूनभ
\sim	اله	Pr-	2~
		रूभन	र्भन
S	3	200	was
35	अ	यभग्रहन	गभभग्र
7	5		
M	38	SPV	ray
5		6 V	G
	°)		
*	7 7	<i>লঙ্গশ</i> ত	नभग्ड
1			নিখেশ্ত
35	M	নক্ষণত	
e e e	2		ि भुभाग्
r C	अ र	নক্ষণত	

४५:(५(का लोत्रर हन ।

RR में | RU से R RD में 9 | RN में 10 | RRR में में 10 | RR में 12 | RRU में 12 | se vere ser getel is the अवस स्वतः सहस्र अवस्र अवस्र अवस्र अवस्र अवस्र अवस्र महम सर द्र भाग क्रम भाग क्रम भाग क्रम हम हि हे हि हि हि हि हि हि हि | * yet and more in the संदर्भ महा कहा प्रति हित यह कि में वि 200 28 NR 26 200/200 सम्बन्ध भाषात्र वस्त्र महत्र व्यापा समस्य उत्र भित्र हित्र हित्र भित्र भित्य भित्र भित्य भित्र भ

* ERRETER HEAREN REPER PROKE

त्मत्या-छात्भा त्यी वर् मन् ।

मभर सम्ह राध्य स्त्र विश्व तिस्त विश्व तस्त विश्व तस्त विश्व तस्त विश्व तिस्त विश्व A de de de de de de de la la la बर्म स्वेष लिंडा प्रायम जिल्ला हारा कार्य विकास मिल्ला प्रायम मिलला प्राय वस सम वर एउ वह उह वस समा भ्रम भ्रम भ्रम भ्रम भ्रम भ्रम H H W W H LE DE DE नम्मान सम्भूषा नयप्य अविकास नयस्य स्वास्त्र न्यान्त इस्टिक्र रेक्ट किंदि किंदि विभी प्रकार क्रिक्ट यमत्यहं क्रक्ट विस्तर विस्तर क्रिक्ट क्रिक्ट

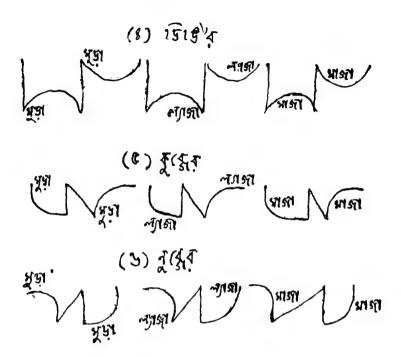
प्रभ एए। -प्रवंश वंग्रीक्षेत्र वेट्ट (व्र्ति-पिल ॥ भगवंश्प्य क्षेत्र भगाजिल एमल ॥ प्रभ छवं क्षिश्च ।

त्रिस्त क्षिम क्ष्यं भ्राप्त भ्राप्त महंसहं सहंसहं त्रिक्ति क्ष्यं क्ष्यं क्ष्यं व्यवस् वर्षकं व्यव व्यव व्यवस् क्ष्यं व्यवस् वर्षकं त्रिक्ति क्ष्यं क्ष्यं व्यवस्

Auki Nuny ziyaiy
Ruki Nuny ziyaiy
Ruki Nuny ziyaiy
Ruk Maku punyu!
Anga kun kun punyu!
Markun ziu pupupu!
Markun ziu pupupu!
Markun ziu pupupu!
Anga Sinacia sinazuj!

अरंभ र्यंत्रच व्यस्य स्था ठी ठीटी स्था र्वंभश् क्षिभ्र प्रंश्ट स्थ।

अज्ञा लग्नाम ॥ चेरासा मेहा भारता (बंआ, धा भार्खे बंद्र था वें । हिस्स बर्ध क्यो। ठ्राध्यमं स्पम्य पाई ची**या** तैसे मही॥ PINN FECK (३) भू हि, र भाजा (२) स्थिषं Äù भाजा NSI NEK MIST সাগ্র (३) गत्रं



 म्हासम् भागातात्

शिष्ट्रश्राम्बार्ट्ड स्टिस्ट्रिट्ट इंट स्टिड्ड हिस्सिट्ट क्रिस्टिह इंट सिट्ट देश टर्स्स्ट्रिट प्राक्षमं इंट्रल अधिकानाट्ड (१) द्धांगा

भाउँके वे - क्यारेक | ११७२ काह्य | मैन्यार्ग | एकि एके ११७२ काह्य | मैन्यार्ग | एकि एके १९९९ है। एके (व्या, ग्रेप्टा। भास्राम सहित्य हेर्थ केथे। स्मि (एम (एमं: इस्परं भिरुप किए) कर्व उप्रिक्षण्। मैंभींग न लिए) जरहे आधार्-तेषार्ः मैंभीं वंभार्य हिमर्जीय।

र्षाव स्थाव प्राविक्षमव अर्था दुर्धाव अर्थावाव अर्थे वे सम्मेमस्रि

ग्रिश-अंगञ. त्रेभी खंआं

भाषि था भामें देश देने देखा । भाषे देश देखा । भाषे देश । देने देखा । भाषे देश । भाषे देश

भाग कित हुई अज रेडि लेगूड एस एत: — १५-इ-३ अध्यं अल् अर् खिण वैशा आमीर वाह्य-अिण स्पर् श्री ब्रामीर वाह्य-अपि स्पर् श्री

त्रामुभाविक प्रभूकाविल

भाषीयश्वामा कित्यति कित्यति

(अ. १६.७) : [अ. १५७३] (अ. १५७५) - अ. १९ (३३४ - १०१०६) हिच्च पट्ट चांती १०,१९ ब्राम्ये स्वार्थ हिच्च १०८०६ हिच्च

२५ ९५ हिंदि ००० | हिंदि भाग्नेश देश्य भ्रेस देश्य सर्थ हिश्य। २८ २८ हिंदि

यि सिश्वास्त्रं देनमैं असमें।

भिनाग्नं म्यान्ति हिनान्ति त्याः। भवत्वं (यात्रे स्पृत्धिं आवे (पूजार्थ)

भग निभि, आर्श-लिए रे-डे मिलकुड़ि'। भी निष्ठ र'स अभि क्ष मिल शभाछिड़ि॥ भी वनवन निभिमा डिरो'व डिरोछिन। भी कुनवृत्ति श्रेमा साड़ित्व भिर्धावृत्ति॥

(ए.स (स.त.:— र्न. १ श्रांच-3 रंग श्रेम्पड्रांग येए।। स्पार्थ (स्पेश्यंड रंग स्पेश्वंद्रंग मेंसा। सा-र्न. ह स्थर अपर २४-र्न. ह स्पार आ। () हिल कॅप्प. () अप ४,१५ में ह आंद (स्था। स्पेश्यंड उक्षंत उच्हें (हध्ये। भीत्र काला है जिस एसला स्टिं कथा रि. हि. जिस् प्रेंड काला है उला रि. हि. जिस जिस्सा में उला भाषा भोषा थाला ग्रेंड होंडा रेंडे हैं।

सिमार भीरंज से हि दी स्पृष्ट किया के जिल्ले के जिल

अभी अकार।

(तेषशा (अ अअरं स्थाया (त्रकार्य)। तथः अरथः १मिष्यं।

किए अ खे र या गांत रचा।

हिस्तायं हिस्स्या।

(०) अर सिर्ध्य ई (स कच्या अंगे)

भूष (अर. १५ ५०% रूप ॥

बार्सकार्थ छ, त्र, धांस

es of v

भण्डेखाया यह प्रांत्र ॥

is on the ex

क्र % है. अ, प्य बाह्न हिस्से शिया।

भि,ष्य अति श्रियं भ्रोधा॥ -० ६ । १८ ।

अक्षय अक्षर्व भगावनी। Y. N. N. Vig तत्रे अन्टे जय, त्रंगीमाप्। ながかれるう दिल प्राल नज प्राप्त प्रान प्रान 4 4 4 m अभृड बिहित्यः भृषु अभीव । er se in 25 ययप भरेतं भेर प्रांच ॥ bisch. Nie v मेंक मैंक वैदं विधि याम । es si vo v भार्षमा अाहेएर वर्षे अगे॥ Mira vis U भन्नभावतुर मुकिष्ट कार्नि -と で か UN भिष्टितिष आव. हीर्वम भिष्ट

WHY & DE उत्राहमाभित्र नव विभिन्। مر مر س ب भाषात् नश्तं रूशतं भिक्॥ 855 1 8 Price र्रेष्यं एक अरमं ईच एमांगा। on in wi अगनम प्यन गुणमञ्जूना॥ くくらいがん व्यां व्यं क्रिय चेह्यपंद्ध। n vin n मार्डिक म्हलन् मार्डिक एडे ॥ is is in कर्या भ्याप्य स्टिश्य स्विश्व IR WW V फिर्या पर्वातः भागापं (ग्राप्ता। is by war फराया हिया में अवप (वर्षे 75 m 40 % राज्यम त्रामं यायां (र्वे ॥

ति हिर्षि स्थ, त्रपंत या आह्य॥ भि टेट, कि चे ल्लेन. राष्ट्रियाज्ञ कैल करिय साध। इत्येत हैंदू हैंदि क्रें

रिवंस, पर्मेश तिहिष स्वस् ॥ र्रातिकां, यम्प अस्टि व्यस् । स्रिक्षेवं स्ते लिस्, प्र लम् । १.श्रिक्षं, क्राप्, जिल्लाङ स्वरं । १.श्रिक्षं ।

२५ कार्या के स्टब्स्ट क्ष्में क्ष्में

प्रदेश जिल् जिल्य जिल्य प्रकारक।

प्रदेश प्रमाण भागाना भि भिर्गितमा स्मान क्रिमें।

प्रमाण प्रमाण स्मान क्रिमें।

प्रमाण प्रमाण स्मान क्रिमें।

प्रमाण प्रमाण स्मान क्रिमें।

प्रमाण प्रमाण स्मान क्रिमें।

प्रमाण स्मान स्माण स्माण

भि भि भि भिन्न भिन्न के देर्ज के आ मोगा है [121% प्राप्त भिन्न प्रम्म प्रिमें भ्रम्न भारत प्राप्त है। (०) शिक्ष प्रिम भिन्म भीम भ्रम्भ मार प्राप्त है। २५: हारू अवार्ष में भ्रम्भ मार क्या है।

प्रभ पर्यः -

না-লক্ষ	ज्भू अ	स्थार न्यूप्रस्
*	下"	ाँ । । । । । । कर्
5	§ 3'	हित लीन अड्रान

গাতাকা গ্র	544	रुप्तारं जन्मरा सिन्धं
7 7	で ず'	रिस्म (मेस र अ
n 8	्र भ'	भरं आंध्र भग्नमन्द

श्विष्टर्य (अगुष्णान जक्षकर (माअमाह - म्यूश्व हिस्या দ্মৰেৰ পশ্যতে প্ৰৰ,তেনে কৰি, ভই মলাৰ দুজাৰ দিন্দ বেৰো'ন মসন, का'तं तिन' (क रागा'म - जन विवर्गी

स्यान (भाषा (भाषा प्रमार (बर्धा, मं सरी सम्प्रंधिरि॥

(अभ (दर्भ: -

in vi iv क्लाम बलाई राष्ट्रकार्य him hos रिसेर मारिसा एविन तान्ता।

Ver er om विधार्यन विधाना गमि। Su ser en भरुमं अपिक्षाम त्यां भरी। is in in शउष्टार स्तारे लागिल गाउ Y V X V মাধ্ৰলে সহাত্ৰ মাও।। vivi in L वलाई बल्न अममाब कार्ष्ट् فع ب ن بوء ج भिरम यार् सम्मा (भारतः ॥ esi vi भभना बताए बनाई (बता। in in it is यानवं स्पात् अपंत्र (कर्ता। अ-आंद नाउं (भोराम्। याम भम्मेष अर आ में त्राहा Max My (+ Max Dix 11

त्य (या व्रिट समस्य में (ए। अम्मे क्ष्ये अम्मे क्ष्ये अम्मे

(2)

> त्राच या उप्त एवउमा ॥ ६०००० १८ भर्षे १९५ (भडमा। इर्षे ६६ ६६

अंद्र (या पात्र (या र्रम्स सिटें॥) यो द्रिंग मिलें। ति सिम्मिल्य इस्तु प्र सिटें। क्रिंग मिलें रे

द्रेत (वधा,में (शहे हैंदें ॥ अ-भा-उ (यत्म (शहे,हैंहिं,

ايد في سندن काक्षि शाहरह प्रदेशिरी। V. J. V. V. माल्(रि. १ ड ३ ईर मा देर ! YX Y > J.Y. मैर्या (२ मम राज् ३ थाता -1. So w W SX े दें रे चि उर पत्पांत भाग्रा म ان. ان ان ان ا 423 fist, \$23 fist 1 N CON Y उत्पर याद्य अध्य अध्य रिक्स ॥ \$ 7° NU बार्ट मार सर्वाय. vi vi vi vi क्ष्ट्र रत्न (यमीर भाग ॥ (8)

अ-अ में में अहि अहि अकी: अयाद न्यापण माम माम माम माम माम माम

y's rece your भ्यून्यज् ना एानिन भाषवी भन्उल। Eris se s. एकं में ए जिसमाति सिर सिर सिर सिता we we will so on মাথোনায় মর্মিরা রেম আছে মুন্সে। priva v en a धन एक पार्ट मोर्स एट एवं मैं स्ता मिर पिक पिछि कि कि अधि अधि आ आवा かいというかいかん अभ्रम रैं वे हैं। है एत या एर शर्म XI VY V क्य कि में प्रशं रूआ अपिआपुरी by sil minim सिंग्रहमं महिल्हि मिल मिल मिल ॥ be in by wi त्मिश्रम् माउ हिल हिसारं र्येसा। ~ 4 4 5 7 VC माउस क्रिकाम (मांच अपेक मा स्वामा यांच भाक्षी:-भाष्मे हिहाइंगा गांग चयमे चालक॥ (०) (०) हिल्पंच प्राप्त अवं इंद्रिल हिल्पक्॥

धाउर स्थित्राचे (धाउर (धाउर (धाउर विकास) क्षित्राच्या भार खेश्या (सन् में वर्ष) वाद सिश्य भार खेशा (सन् में वर्ष)

सर्वेश्वाकु सार्व प्यात्र क्षित्रप्त ॥ लातः त् ्रिः श्वेष (क्षश्चम्य स्वेष्ट आस्रिया। श्वेष्ट स्वात्त्र अधित्र अधित स्व (हर्षा:—

からいり त्रया आत्न कुट्ट (क आत्न निर्धं। じょらじうら गार रंभन्द प्रद भा शिर् en sic জোঠালার বেটা পেঞারিলাল – つんかん (म प्यांच याद्वीयं मैंन्ययंजारेल्स) WU ? 82 V? त्यर गामं अ रिमेंच रोप्या। wine in ein भनुआ प्रानिष्ठि जारांवि छात्रामा シッシンド ये लगतम ये मारिए प्रस्त wir in नमर मार्य जामार क्रार いている कारने राज्य त्मारा मैं नक्षांत्र, wi is win समर्भित अथा नाड म जारा ।।

1 विश्वर 1

प्रमाहिता:-May 24/2 24/2 मान्सा १-3-(पंजा मिल्डी म्रास्ट्रीत स्पृक्। प्रमाम कि (साख - प्रमाम विष्य मिंद्र मेंद्र खर कल्म काम्न

क्या हमार्थ (अरम क्राम्मड क्रामर

र्दे र्दे दे दे दे विष्ण कार्य । या राहर

प्रदेश अस्ति

त्र क्षात्र के अवं शास्त्र ॥ ग्रॅंक्ट स्प्रभवं यहं ज क्षाव्य (द्राः क्रि

मुक्ते (बन्भाक्ष्र) रंगा भर वर्गाना - र ता. चत थर गराना। माहि गामा अन् (कार्यास ह रव रव मार्भामाभी , तिभित्न संश्राम आर्थि (जभाअभ्य- र्मेत- व्राप्ति ॥ મિટ્ટી ખરા મહત્વં, ખરમી ગ્રહ્મ લંખામલું मान्य आव (कालव राष्ट्राष्ट्र। अल्म विभार्यन्त प्राञ्च, नामा शाल व्यक्त नामा, (मर्प नामा (म्प्रामा क्ष्यत्म म्प्रामा नाम्याव (म भीक्षेत्र (मानार भा माह्यांत हानारशिनार नाभिराष्ट्र क्षरंभ रिवास । (आजा - शांड प्रि हों (र, में म शांड ध्रांक मात्र, (आवा खना विमाय आयाज ॥ UN CRU! -

माभी	বৰ্শাপা	राज़ी गाथा	मु अनुभाग
/ 19	3	8	४४ ७ उ ४३ उ९भन
\ 3	/ 19	R	५३ उ९भन

K	ાઝી	ন্রশাখা	ના ત્રીત્મા ં આ	त्रेशक्ष
	₹.	/ 5	8	अर्थ अजून
1	<i>→</i>	(5)	M	गर्न अण
	₹	\ \(\sqrt{\sqrt{\sqrt{\chi}}}	8	नर्दर अहम
•	₹	/ (5)	९ भ	भूड प्रभं
	े ~	3	PI	आ द्धा अष्य २.५ २९
1	∫ ~₹	(5)	N	एन्डि गल्म
	~		N	मात्तु अमन्त्र
	7	1	ع ا	भन्ता उल्ल

ત્યાત્રી	नरमाभा	गर्गेनाथा	भू अभित
¥	N	29	भार भाष
₹.	<u>ੇ</u>	X4. €	कार्भ २७०
<u>্</u>	ر ا	4	प्रत्यं भगमन् भूष्यं भगमन्
1	7 2	و م	रिश्म प्रभान
7	ヹ	ر بر	વિશ્વો આવંભ જો. મે.
7	>;	3	क्य क्नाम
7	71	٦ ٪	भाषी भाषभा
3, 0	2.5	<u>و</u> پر	ज्या इन्म

भिन्न (हर्स: — सम्म (हर्स: — स्वित्तां क्ष्मां क्ष्

भन्न म्याया मिल्या भट्ट प्र साद्धा भन्न म्याया मिथ् भट्ट स्था भट्ट साद्धा भन्न म्याया मिथ् भट्ट स्थाया भ्रम्

HE SE SE DE NE NEW MEN भेट हे इन्हेंची भेट के दे हैं हैं भेट भेट के सम्बंध श्रुष्टा (अत्मन र्श

प्रथाभात्र मैआर्नी

गम में अधिया तक तक में ते हु तक तक जिल्हा 可中央 日子是 1 थक र्क मार्थक एक हेक हिर्मा कुछ छ प्रेड NNW 7 7 77 1 4 74 77 1874 1874 1875 35 43 りかりしてやしてもか तान क्षेत्र थन भू विभू तिन क्षेत्र आक्षे りもらうしょう アナ अर अ ध्य । क्य क्म भर्म अस् धर्में स्म स्म स्म स्मिश्व क्म क्म क्रिमी 6 f for 1 5 78 30 1850 59 20 30 MY NEW (अडि १२६ १५३६ प्राप्तिश क्षे प्र रेट)

のわめてせれらような श्रं ये रस गरं ज अग तर ले भीले हम हो याही अन औ आओप हम स्। ए क्षेत्री क कं कि भारत भी त्र देशक स्था में समारित त र क्र विभिष्य । यह में स् यिनेश्वर । २० \times \times \wedge \wedge \times \times \times \times \times \times \times \times \times उ अड । पत्र में उसे रात के अक M2 R NR 24 & NM 2 24 & पुत्र प्रमास प्रमास प्रमान प्रमान

とすび ててるててよれ उम औ आशा एम री प्रमें व्यं तु सिन LLU VYXIRKX सिरिति से भर नि निश्रा विस S to the rest भन भन डेभ्लाला जम हना भारता ~ 4 x 10 % 88 भल हा भारत भल हा विश्वता 1xxxx xxx xxx उत्रा शिश्मिम मिस मिस अमे जो नाजी करं को मन्। | अन्म न्यं भा रक र्क MXXX NA WIND मड क लिखे मिथ्र माथा १७५ है मार्गि । पड एंड अकाएंडि नम म

my it i igh ha ha ha healify! भर भर प्राप्त पर पर प्रमाप्त पर भ en using rak | use यम नगरी सारी यम रा यर। कुंग की 山的 八元 所 知明 | 多年 京東 24 高山 山山 भय देश देश धादेश दिस तेस अंग्रेसे अ अभ ९९० १५ कि कि कि रिक्री दम क्षेप धारुमं | दमे देग मैमर्गे ने ! राष्ट्र हिल्ही | रिल्ह कर् कित क्त सहमा। केट सेट मैंसर्ट्ड Ex Lx Hesis | ph p) Hall ph ट्री अग्री अक संक खर्माक सक मंक अंग्रंभाध्या ट्रिट इस्ट असे ते ते जे जिस मेर yyuy AAH MX वेश हैं है में हैं है, रिस दें भे में में में से से से हैं negien wy da m गम्बा रेष रेष जिलेष्य भगभा भा भगभा सम भा भग १ में भें भें भें अमें प्राप्त くみぶ Lein ration uie ये में भार यूप में खेंगें यो भी ग्रेश्मा भ्रंभा इस हत हो शृह्य हत हो हो भीशी कि के असे रंग मू अम तक के सकत र्य प्रया सक के स्थ यह के कि के लिल अक कि अक कि としてナナナナナ प्रकृत ।। यह कर देया। यह कर दिया U4 King a poer! आक क गाडिसाक अप क उपरेपा

3F 114/1

ज्यानिय मुस्जि प्राव कि बलन ? त्मारना! "जिला जिल दिल क्रिंग रूप गरे काला॥ "भारं- 3 हिल क्राक्ट व माहित भाइरेश। प्रार्मित भित्र भिते देखना तर्म ।। " रेकि सर्उ मा पक्त (या दा सर् संक्र)। " अर कि किंग अल्मकिन, आर्थ भार्म उगरे। " क्रांच भी भाष्मा शक्स - विषय । " धार्त्य राख्राक्या लकारम्य (भारता।" 15 5 MS 11 1 11 15 18 8 は ショック へよび भेड् भेड दे भेडि भेड दे रेखे er x 1 1 2 x 1 1 x x भेड़ के मह्म भेड़ है रहि । यह भेड़ X NX XX VX Y अपन्ता अम निष दें (लेर अड न्डा गान्ड

Which skill walk सर् सं व प्रस्त यन त अर्थ यन न कर् 24 4 HEL 24 4 MY 394 789 राप तक सिक । भम में सैरस सर म मास्या स्वयं त्रेयी स्वयं いかか かか त्रीरुक्षात भर भर भर भरम्या भर स्त शिल्या जम जम काल्या जम मर व्यवंता And wash pre र्म के निमास्त रंग के हिर्म रंग रंग MUS 2 2 12 MAY 12 12 12 MAY 12 M24 12 12 MAY 12 MAY

Six & विश्वाद्या विन स निर्वास्त्रक विन स. STO WY H SAY ियान रेस द्री और दिसे ही समारीहर KKVK RKVKG रेंस हा यमहोस्स हैते ही नुमहास्स [WYTH MANN V र्ष र भाराम रीप रे भाराम रूप XXIRRYCKS IN YIM १३।मि | रून ३ भराइ।मि | नन अ डेजाम | MA KY CK WORK म क्यम रिम म मा भा भा किल्लो MALA KYG RRICH लत भी क्या जिस भी भाषी विक भी शिषी पक्षी असं भी अस्वाक्षी असं भी ते भी उस कि दि दे दे कि कि कि कि कि कि सम का सकी में मा भी में का भी दि दि की की अने भी स

भारत्व बक्ष्या ' नक्षा भर्य धाइ शक्य ॥ भारत्व क्षर्या सम्मा अराप्व इ. स्प्रमा क्रिक् स्वर्ध याम्य सम्मावित शहरा इ. स्प्रमुख साम्यत्व इ. स्प्रमा इ. स्प्रमाई। इ. स्प्रमुख साम्या चर्वा व्यामा य नामां रमाया।

(になった) (ことない) しょう をあいしている からをよいな たるられ しょとしい (このの) (こ

र्ज अवस्रक्षीव

म्पार्वात मार्था र मार्था = रूप्ता

" में भारत्या हिन्द् विर्मे तो, भार (शका, या है, " में भि-ने ति भोत्या कर, धरम- त्यास्था--ति भार्य भूटिय जिस क्षिया ग्रेस्ट्रिश् ", हिम्प् विर्मे हित्र पि ति क्षाम्य नार्य में स्थि है. हिस्पा = हिम्पे हित्री।

महार मिला है हैं महार प्रकार में महार के महार

मू क्षित्राम्मार्था श्रिक मू अस्त्रामा मन मू इन मू अस्त्रामा इन मूं असम्मा मन मू इन मू अस्त्रिम्म इन मूं असम्मा मन मूं इन मू अस्तिमा इन मूं असम्मा मन मूं

नार्गु नाम्याः मैक्सर्ग्। よりはいかかのかかり RR R न्या पित प्र के ने कि ने कि ने कि नित कि न स्क से रेसाहरा १० ६० स्ट्रांस्टर गर्थ ナッチ ナナヤナル よる गंश यागंताच का कह अकात्म धय पंथ 4 1 1 2 1 1 2 M ध्यमंश्च क्ल क्ष लेग्डलेश क्ल क्ष हिंक्लरण भव भंग भगं (वर्त भित्र हात मर्भ स्त्र मर्भे स्त्राज्य

अर्थं यह प्रदेश स्म क्ष प्रस्म प्रमा かりらりしても क्स क्स शक्ला कम क्म आक्लावाव क्र क्र प्रकार १ १ व्हा प्रमे AHH XXXXXX रस रस रूर्य उल एन र्रान्स मेर्ने अंग्रेस | १८ % % । १८ १ १९ । 8 8 6 8 8 8 8 8 8 8 मिन मिन क्रेमिन्स्म यस यस भावता उम (म दिम उम हम यहम । उम हम you, el let 88 मायहम्प िक, हम. ब्रह्मपुर यात्र क्र MILKER X TY एस्पर प्रथम भागा

भक्ष प्रथम विदेश प्रथम भक्ष रम रंस सिरंध्य प्रसंस अतर्थ सह मेर स्रमा यह मेह आमंग्रा । त्र में मन्त्रं यन स्त्र क्रम सन मन हिमान्न सन मन स्वामना मह मंद्र त्रप्तंद्रा सद मंद्र धर्मद्रा द्रुत द्रुत માર્કિફિક કેફ સ્ટેફિક ફેટ સાર્ટા દેટ ફેટ્ ફિકાર્ટ विनी काड़ाका हि शल का।

त्रंत द्रंत (स्थित । स्थ्य (यूट्र स्पूर्क स्पूर्क । भक्ष्यं प्रक् म्यून्य द्रंत्य ट्रंत्य ८० छाक् – आ, १० स्थां भार्य पार्य – सह्म प्रद्र नाम ॥ भारत्यं हात्र चता वह अमंत्रा (पा।

"मर्गर्न " येव तेव विष्यं त्यारे। Unata र फिल जा'(ड, वासित विपाए। में में में में में में पे प्राप्त के बार भ भागन वर्ष भ रहान वर्ष व १ व. में भव् भव १ विष्यं 44 x 24xx 27 27 27 1 मह यह स्वाया यह यह हिंचायाह धार प्रदेश स्थान अप प्रदेश अप प्रदेश अप प्रदेश हैं। कि एत तिन्द्र हत्त ति । प्रकाप प्रक प्रका

मार्ग कि हि कि विका कि कि कि विका ひょうり トナンチング महा न्हा भान् हिंग नि नि प नाम (४ नहां 4 year proste ex न्क भिन्ध्न न ह न्ष पुन्क नम न THE WAY WHENT WHENT लिल हिल्ह कि कि कि कि म् । मिल् । पर मेर त्मानामा मि क्षे भरका। । अभ संभ भरका। अभ संभ Bryking RK क्षांत्र स्म सम भान्त्रा स्म सम 1/C जूम भी

णि अ एक जिल्ला — जिल्ला जिल्ला क्षेत्र क्षेत्र अवस्था विकास क्षेत्र अवस्था क्षिण का क्षेत्र क्षेत्र

155000	विभग		
. अर्दासाय	X X3844		
2 245	78 85 V4		
-X 725	315 W.F		
3 245	1		
N. 14.	. Z. x		
N. 48°	1 7 E. 21		
8 14°			
र्रेट में श्वाः	र्भ गार्डिः		
	र्भाष्ट्रः		
अंद में या!			
2.1			

सम्बन्धाः सन्दे-सः ज्ञम्भः रख्नाम्बर्धः

my en e आयाम्य व्याचन अगाज अन्याम् いいいいいいかっつ अर्रें म र्रे हैं भ देती रिप त्यार ॥ My vin vi sh कुर्धां श्रे श्री मार्ग कर्मी मार्गिया है। so is en en es द्रमेशं रद्रमं हिश्रं। तर्कः उपएर महि in wix yin कानिकींद कूटल किम काटक ट्याप्यनात्री : Vto vis 1 5 hor ये। हुन ये व्याद्भ कि क्षेत्र का स्वासी N 12 M. N. 8 B. mile a new mis um ves por wer it it is भिष्य काश्व में पं आहे श्रिक्तं प्रका

अम्परची। ज्ञन्नश्रम मैं अने मर्एंच

ich be, is se vis. रिक्ट (गरते (याक माहि याक अरम द्राफ़) my in it evis जिल्हरीय पासिकार में तकर रेक रूप रि je vi ve v. si vi ji केतर यर्ष नेत्र (येन) रक्ष मृद् श्री Stor bir 80 Min 8 नें के प्री पें केर एं करने समा एर है आसा। je vista vis vi they alm gray nort white fin thela 此心方此外 िया सर्य भ राष्ट्र स्ति- नेस, र, स्ता といいいいかりょ To the SLE ELE DION PRIE BRUE 1 み、かんからば HULL HAVE MULL CEU WILL CALCE!

क्षित्रका क्षियम् त्यात त्यात त्यातमान ॥ भूकः मुक्त कः अक्ष्य भूका विषय मार्च स्टब्स्य द्वानीनन् न्त्रसम्भक्षिं सम् मेत्रुट

सामित्य कार्स क्रिंस नार्स्य साम्य ॥ १९% १९ १९ १९ वर्ग तेष्। धापत यामित एवं पार्ट अम्म तेष्। मि १९९ ६ १९ १९ १९ १८ १८ ठें अंध एक्स मध्य इ. १८ १८ १८ १८ १८ १८ व्याप अप्त इ. १९६० १८ १८ १८ व्याप अप्त १६ १९६० १८ १८ १८

त हिल्ले सिट्टीनं अप. रं. तं तं प्र प्रथा सिट्टीनं अप. सिट्टीनं अप. रं. तं तं तं तं ता ता प्रथा सिट्टीनं सिट्टीनं सिट्टीनं सिट्टीनं सिट्टीनं अप. सिटीनं अप. सिट्टीनं अप. सिट्टीनं अप. सिट्टीनं अप. सिट्टीनं अप. सिटी

KV KV PU AF I स्रमाम स्माम मातः प्राक्तर्य रा. छ। Kir Par & rog of र्धियुनं माउनं कार तृष्यक्रिय मार्य। wy y is y in मद्भर माम ने प्र, में में हर्ष्य भार 以はくいか इ.इ. १६ वर्ष शंर वेंकर (साआव ॥ is we bire रर्रा क्रिअमी (पाइलाई(इव प्याजा । ナルツルンかららか क्षारा किन अरम कि के में पर शह (माजा।।

र्कितरा के अध्या

मिश्म यद्भा

न्त्रभम् (मम्मान्

(यंभार्ष (भाक्षांब-(ताल भीकं रे.एव सिम्रा। त्यालो इङ्ख्या हिल्ह हिल्हा-एस्क्री हिस्र। त्यालो इङ्ख्या हिल्ह

त्या एटम: — त्रहेम नग्रमम अस्टि (मा.ए).॥ इकार अस्प्र सम्दः एय.ए) भागनी क्रिय संस्प नगरं (६४)' भागो भूषभं श्रकाल रावं (१४)' भागो भूषभं श्रकाल रावं (१४)'

काम्य- एवई एम्डकार्य ॥ स्थादी (बंस्मांच पत्र देकार्य स्थादी प्रकार्य । स्थादी हिंदि पिष्टिक्ट (तस्त्राध्या १ १ १ १९४५-१५। ए १५५ भगः १ १ । कि पिष्ट्र १५० विष्ठा वैग्रा १ १ १ में ११ । १५५९ १५० विष्ठा वैग्रा १ १ में ११ ।

र्देश्यांच इकार्वर पर्रेच

	~			
धाः ग्रंभ	। 1 क कि	\\ 5 F	√ ∼	1 R
Ani-Valea	१ १ ४ छि	९ ० भ नि	0 0 16 90	भ भि

मिनेसेन रिप्रक स्के	1111	11 9 2 3 3 4 2	1 2 8 8
देवभूभ भाउर ४७७	7 7	\(\square \)	2 Y

Mi (3 mis (11-2-31

भित्र हं, रंग सूं हि तम प्रति त्यां से (-) दें मैं आर्थ काझंश हिन्न यथि, धिन्न आम (1)

(/) प्यन माम मान इ, तं त्रिय क्षे क्षे (/)? भारत्रक क्षियांचे वी। (त्रं व्रीक्ष क्षे क्षे क्षे

इस र'ता त्याल भूभ (डिन्के'मिं डिडा);

()) रेक्षिं यमप्त न्यां रेक्ष इतं जिहा (८)?

भिश्व (क्ष. (श्व क्षं (पश्च समा. क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र) कि क्षेत्र (क्षि. क्षेत्र) कि क्षेत्र (क्षेत्र) कि क्षेत्र क्षेत्र

मृद्धि (माहा वृष्टि (क्रामवं क्रेट (ब्राप्त मेंट भागवं रक्त कर क्ष्र क्ष्र क्ष्र क्ष्र क्ष्र क्ष्र क्ष्र क्ष्र (प्रच क्रिक्ट (क्ष्र क्ष्र क्ष्र

भिन (भन स्थि (हेस) भिट, (या (अपक हिने स्ति (हन) अभ आभ हेल हेंपण । अभि आभ हे से ही स्व रिट रिट । दिर हिने सिने हिने भीतु (आया स्थि (स्था) मैं वें (आये स्प एसम्प रि. प. रि. क. । पि. क रि. क

मूल तिला माम त्याला भू तिला माम लाम वार्ग भू तिला माम लाम वार्ग भू तिला माम लाम वार्ग

मिन भाम अंडि भागे। में प्रांस येत्र (श्रम)

गाय भाम अंडि भागे। मिन प्रांस येत्र व्याय

गाय भाम अंडि भागे। में प्रांस येत्र व्याय

गाय भाम अंडि भागे। में प्रांस येत्र व्याय

गाय भाम अंडि भागे। में प्रांस येत्र (श्रम)

गाय भाम अंडि भागे। में प्रांस येत्र (श्रम)

मेंग (भाम देव (सात्रा मेंग (पाय 'देह प्लाक्ष । रू कि कि हिंदी मेंग (पाय प्रदेश प्राप्त । सम (भन्न हिंस हिंद्या | सिंपु (प्रच खिन्न प्लान सम सम सम सम समक समक रू कि कि कि हिंदी | रूप राम समक समक रू कि कि कि हिंदी | रूप राम समक समक रू कि कि कि हिंदी | रूप राम समक समक

तिते प्लाय मैस (सम्प मी.ट (माम तेस (त्राय जि. द्र की क्ट की कि कि कि कि (त्राय लिखिस प्लां भिय (म्लं क्रियं क्रियं क्टि (त्रार त्राप्त का भियं (मेर्ट अर्थ प्राप्त त्राय त्राय त्राप्त का भियं क्षायं क्षायं त्रायं त्राप्त का भियं क्षायं क्षायं त्रायं त्राप्त का भियं क्षायं क्षायं त्रायं

रेची, शिच रेंट धाम भेरे आत्

स्ताम रानुक स्नामान

भिडेर् १ किया अहि औ रस्ते जामा। मिरिक्ट स्थां १ १, (क मार्स्यासा म्या। त्रामं के यं ले श्रीत स्वार्म मार्था। १ ११ में थे पे भें मार्था।

UN (RU.

रेकी रेखा तेकी रेजा मिन एक रह हरू

ब्रीड ब्रीड तैय ते हो ।

एक (हर्फ: -र्-र्भ र्राग क्राय-एका व्याप्त व्

एस एए। भे- क्ष- १९ १६ में मान भेज- एम लाए। देर भंग- १० में १० २ में भेज हैं भेस कि से से

र्रेष्य संयास संयास छित्र १०० |

न स्थाप कार्य (आसार प्रीम्स स्थाप न सम्बन्ध नार्य नार्य नार्या संघालक स्थाप्त राष्ट्र

त्रयः प्रश

विकारिक्र माथा।

स्रित कर्षा स्राक्ष एक, सर्पा- विश्वेषाता।

२००० प्रकृतिस्य कर्ष्वत्रे॥

१००० प्रकृत्यस्य क्षर्य स्राक्ष्यः

१००० प्रकृत्यस्य क्षर्यं स्राक्ष्यः

१००० प्रकृतस्य क्षर्यं स्राक्ष्यः

१००० प्रकृतस्य क्षर्यं स्राक्ष्यः

१००० प्रकृतस्य क्षर्यं स्राक्षः

१००० प्रकृतस्य क्षर्यं स्राक्षः

१००० प्रकृतस्य क्षर्यं स्राक्षः

१००० प्रकृतस्य क्षर्यं स्राक्षः

१००० प्रकृतस्य क्षर्यं क्षर्यं क्षर्यं क्षर्यं ।

१००० प्रकृतस्य क्षर्यं क्षर्यं क्षर्यं क्षर्यं ।

१००० प्रकृतस्य क्षर्यं क्षर्यं क्षर्यं क्षर्यं ।

१००० प्रकृत्यं क्षर्यं क्षर्यं क्षर्यं क्षर्यं ।

१००० प्रकृतस्य क्षर्यं क्षर्यं क्षर्यं क्षर्यं ।

१००० प्रकृतस्य क्षर्यं क्षर्यं क्षर्यं क्षर्यं क्षर्यं ।

१००० प्रकृतस्य क्षर्यं क्षर्यं क्षर्यं क्षर्यं ।

१००० प्रकृतस्य क्षर्यं क्षर्यं क्षर्यं क्षर्यं क्षर्यं ।

पिश्वि उ-भ-ए-४-म द्रश्चरान्त नाम ॥

..सम्भ - खंब , ज्यारमा- खंब चाम क्षां वाद ॥ तिषामी लांब क्षेत्र खंब पात्त नाय कुर्ड ' ट्रियुमं लीएमचं खंब यातां- स्रंग यात्मा ॥ त्यात्मीवं न्नेमस खंब यातां ग्रांब सम्मा।

(३) ख्रिक्ट क्यारक इ = त्रावस २ मामा

(3) Paraidi (4.18) 3= 21/22 123(41)

(4)

(3) Paraidi (4.18) 3= 21/22 124 12-41-241

(8) लाय में = हमार में नामन

खिरम थिरमंत्र हिन्म दिस्य (ग्रां (ग्रंभा (ग्रंभावं) के रेस वेश्मारांत्र हम एत्या (प्रतास एत्र में रेस वेश्मारांत्र हम एत्या (प्रतास एत्र हम हिन् (M.M. CR. Ch. 1 2-7 2-1 4-7 2, Ch. 301)

NUM 5-3,4 M.M. A(A M. 2 5-3 (M.CM);

NUM 5-3,4 M.M. A(A M. 2 5-3 (M.CM);

NUM 5-3,4 M.M. A(A M. 2 5-3)

मि सिर्ड मी सिन भीन र युंड = यू यून मि सिर्ड मी सिन भीन र युंड = यू यून मि सिर्ड मी सिन भीन र युंड = यू यून

यियुन (अयोग ॥

2137 BA1

रे शिंग पार्ड्य इंग – अंडो ग्रम प्रांच ॥ गम्भर प्रां अव-१०३ प्रांप्य ११०० खं

রেখাক্ষর বর্ণমালা।

एस एत: भ्राड क्षेत्र क्षं क्षानि (१ १) ॥ भ्राड क्ष्र, प्र क्ष्र नाम स्पूर, भ्राड क्ष्र, क्ष्र क्ष्र नाम स्पूर, भ्राड क्ष्र, क्ष्र क्ष्र नाम स्पूर, भ्राड क्ष्र क्ष्

अ.३) (१५७० (वर्ष प्रमेग

(4.2) (P. (1.4)

THE SA (2) REM (NY JEM) (2 MAN (P. P.) ||

(MULL SA (2) 5 - 9 (NY SA 2) 2, 2 MAN (P. P.) ||

(MA) 9 (2 2) MAN (MAN & AZ AN (MAN & (P. P.)) ||

(MA) 5 (2 2) MAN (MAN & MA (P.)) ||

(MA) 5 (2 2) MAN (MAN & MA (P.)) ||

(MA) 5 (2 2) MAN (MAN & MA (P.)) ||

(MA) 5 (2 2) MAN (MAN & MA (P.)) ||

(MA) 6 (2 2) MAN (MAN & MA (P.)) ||

(MA) 7 (2 2) MAN (MAN & MA (P.)) ||

(MA) 1 (P. P.) ||

(MA) 1 (P. P.) ||

(MA) 2 (P. P.) ||

(MA) 2 (P. P.) ||

(MA) 3 (P. P.) ||

(MA) 4 (P. P.) ||

(MA) 4 (P. P.) ||

(MA) 5 (P. P.) ||

(MA) 6 (P. P.) ||

(MA) 1 (P. P.) ||

(MA) 1 (P. P.) ||

(MA) 1 (P. P.) ||

(MA) 2 (P. P.) ||

(MA) 3 (P. P.) ||

(MA) 4 (P. P.) ||

(MA) 4 (P. P.) ||

(MA) 5 (P. P.) ||

(MA) 6 (P. P.) ||

(MA) 6 (P. P.) ||

(MA) 7 (P. P.) ||

(MA) 1 (P. P.) ||

(MA) 2 (P. P.) ||

(MA) 3 (P. P.) ||

(MA) 4 (P. P.) ||

(MA) 5 (P. P.) ||

(MA) 6 (P. P.) ||

(MA) 1 (P. P.) ||

(MA) 2 (P. P.) ||

(MA) 3 (P. P.) ||

(MA) 4 (P. P.) ||

(MA) 4 (P. P.) ||

(MA) 5 (P. P.) ||

(MA) 6 (P. P.) ||

(MA) 1 (P. P.) ||

(MA) 2 (P. P.) ||

(MA) 1 (P.

हिस्साम्या कि जिस्साम्य जिस्

भिश्चमूश्री इ.स.स.ची	上为	2 2 2 p	かずん	いまって
द्रिक्ष्माम् । इक्ष्माम् ।	الهير)	27 27	Jan C	

(अ.स.) इवार्षं गर्मेन।

श्रक्ष अ१३ सेस्य रूप (१ १)॥ निकार्ष स्ट्रिक, मार्ग (११)। श्रिम एष्ट्रिक, मार्ग (११)। भित्रो निकार्ष

अड्डा उवाव।

मको उद्यापंत्रं पर्रेचा। उद्योद्ध (स्थापः हि।है फिट्या ने में हे प्र सको पंत्र्यः सम्भागतंत्रं उद्यादः (पर्यहे

स्थि वर्षा भाषा याचा छता वस्य क्या

भिला ताला मंद्रमा ताला मंद्रमा लादा नद्रा भिला काला मंद्रमा ताला मंद्रमा लादा नद्रा

ख्याका अध्य अपांच सप्ता भेषा रेप्या थएमा उन्ह हम अप आ आ मि मि

८० १८ ८०

ट्रंशिम (वर्षा,म इ. ३ हिला-स्प्रांग (वर्षा ॥ पॅनाट अयो अऽतं धारमं मस्य स्मर्पा । अयो पेन मधारं धारमं स्था ई-३।

UM CRCH;

सब सबई आवं साबज (जासांब (जासांबई (जासांबत) अ. अ. च. च. जा. जा. जा. एअ (हिंद्रान हिंद्र) भीष लिया है। अही है है। अबे भी भू अही।

सिक्ट ३ - अ - म अ - ५ द् न - ७३ - १८, ५ ॥ आ क्षित्र ६ - अ - म अ - ५ । सिक्ट म जार् । भाष्ट्र ६ - अ - म अ - ५ । सिक्ट म जार् । (आ प्रोच र् - ह - ३ ४ - २५ । हिश्हांस व्याप्टर्स

मसी खिम्रावंद गर्मेचा ।

प्यांचा (वाचा वाहिनधास भारहिनधासन प्रमास प्रमान व्यं वर्षेत्र । मारहिनधासन प्रमास प्रमान व्यं वर्षेत्र । मार्ग मार्ग व्यं व्यं वर्षेत्र । मार्ग मार्ग मार्ग वर्षेत्र । मार्ग मार्ग मार्ग वर्य मार्ग मार्ग मार्ग वर्षेत्र । मार्ग मार्ग मार्ग मार्ग मार्ग मार्ग मार्ग मार्ग मार्ग

> भारत्वेत विभिन्। भारत्वेत वर्षक्षेत्र ।

ालका एकता : --स्थातं संजीक स्थितंत्रं गांग्य के, प्र विश्वत्ये नीर अप ॥ खिरोतंत्रं संजी के, प्रति स्थाक्षे के इंद्रिक का एके. स्था अप !

प्रमार्थ प्रभार्थ प्रभार्थम प्रभार्थम अ भूमा प्रमार्थ प्रमार्थमा भूमार्थमा भूमार्थमा अ (३) (३) (३) (७) (८)

हित्रेत रेब्ति साह जमार समायो। र्मेश्यं न्याम क्षेत्रं रेमी म्याम्यो। रेमी उक्त ब्रमार क्षेत्रं।

विलाध विकि अन्य क्षाल अपी श्राप्त ने - अंक क्षाल ॥ अन्य क्षाल अपी श्राप्त ने - अंक क्षाल ॥ अन्य अपी

मार्च मनारं ३ अंग माना मार्च म भारती माना मार्च मार्च

अज्ञ) गर्ड अर्रंच गर्रेगा

मिलिभा अ लिभा जिमा अमार जिमार्मा प्राप्त का जिमार मिलिभा के प्राप्त का जिमार मिलिभार का क्यार्भार क्यार क्यार्भार क्यार्थ क्यार क्यार्भार क्यार्भार क्यार्भार क्यार्भार क्यार्भार क्यार्भार क्यार क्यार्थ क्यार्भार क्यार्थ क्यार्थ क्यार्थ क्यार्थ क्यार्थ क्यार क्यार्थ क्यार्थ क्यार्थ क्यार्थ क्यार्थ क्यार्थ क्यार्थ क्यार क्यार्थ क्यार्थ क्यार्थ क्यार्थ क्यार क्यार्थ क्यार्थ क्यार्थ क्याय्य क्याय्य क्यार्थ क्यार्थ क्याय्य क्याय्य

भणारं ध्रारंभात हमारंभात होमान होमान भणारं भणारंभात भणा भणारं भणारंभात हमारंभात भणारंभाते भणारं

> Nrw- 41-4 54-(4 73-11 Nring nyna noung. Nry-14.

कि कि कि कि कि के के के के के के में हैं भी है भी हैं भी है भी हैं भी है भी हैं भी है

ছিতীয় অধ্যায়।

उद्धायान स्राप्तः वर्त्व प्रस्ता । 1, (F, M, (A, (F, (M, (X, (X, (Y) कत्तवा ३- समार्थ वर्षिय चत्रमा। (Ar, (Ar, OH, OH, OH, CAT, CST), (20, CM) (11, M1, (A, (A, (A, (A, (A, (M) (MY, MY, 3, 31 राभाद्र वर्त्त्र नक्षेत्र। केसारी, एक सील सिच्न सामा क्राम क्राम MUNUEZ JANA SEACH ALAY A W 2 (RU) 1 आ आं भा मां धा हा अप अप मेर भित्र भिर प भर पा स्म मा अ अं अं 1世级为人为

अभाग रे. हे. मार्च क्रिया- रे. हे जाते, भाग रे. हे. मार्च क्रिया- रे. हे जाते, भाग क्रिया- रे. हे जीच द्र'ता 30॥ तम तिम क्रिया- रे. हे जाते,

田湖原湖湖湖湖湖湖

हिष्मक मेन्नुको में (तक सिञ्चीत अंच क्याक्टि कार्य ॥ कार्योश श्रिय साट (यह क्याक्टि । नेप्रणोब श्रिय साट जिन्ना क्याय ॥ में (पंच जिमस खंड मण्याम करात् स्रियं व्याय जिस्से मण्याम न्याय ॥ स्यियं क्यां (च रे, (प्य सम्ये - (क्यां ने) । स्यायं क्यां व्यायं जिस्से स्थायं ।

3-7 124 44 5ú (mingin 2)1211 mm-7-3 munie 25-cm mme

भर्षतं चाउ में प्या चाउँ ४०० ५

भाषा विक इंश्यक हिमार्च भीग अम्भीति दिल्यान क्रियान मम्मा। 4 45 41 AVS CO COS FE FEETS भित्रभी चित्र तिषवाचा अ विश्वतंत्रं क्षेत्रः क्ष (क्सा क्ष प्रस्त कि क्रिया के क्या। क्षा प्राथम त्य (या व्या (ममस् चित्र प्रधाय विश्वतंत्र में अ भ भि भार भिर क खन ता तान त्या त्यात्र विष्णुत्यात्र व्या त्यात्र वा व्याप क्षा क्षा का का

मामान कर्ता में त्यं हिम्स

भावीं रिव्राप माट त्रार मधाम्य ॥ र्डिका श्वात क्ष्य महायम्म स्रवः रामण्यं मध्य प्राप्त स्वेत्रमाध्यः प्राप्तं प्राप्तः माम् मान्यः

भभगार्धिः ग्रेस्टिंग म्हेसाः सम्राह्मः (१८५ः —

मर् मर्ड मर्थ मर्थ मर्थ है। है

क कि कि कि कि कि कि कि कि

स्था हिर्म हार हेम्स हरू

अगडमार महमारमार महमारमार

। खेला - भक्ष

क्रमत भाषांत शह द्वार अपस्त्रपत ।

भिन्नो में नेपर्स भाष भाष भाष साप ।। त्रीर नेर क न्यूर के न्

मिन्ति कारि हास् अन्मानिमा सिन्ति.

भारत कामामा हाव निविद्ये

(पत्रम् कृष्टमं इ.1.2 भार्यत (पत्रक्।

सिन्ति क्षेत्र क्षांत देशकात्रक ॥ कर्षा कर्षा कर्षा

THE SASAS STORY आवृद्धि (म मीर्ष मीर्ष भयाप्रक्रिक । vs & we beg be र्रेजिए मार्श्य रेस निस्ति हैं छ।। sice y CU y ~ मिलाप्याता सिक्र या चिन्ना द मार्च निर्धित TO Y Y NO NO अंक्षे ग्रिते जिंद भार्य अक्षेत्रीय वानी॥ un sie in son (चंत्रपं आष्ट्रायक्त क्रिय विलेखाय ' stor on se our अफ़िर्डि करिंदे मिलिना मरानमरन CXX W JU V अपन रगंद (बारम हमता क्रां क्रिनीसिन । V5 36 4 60 34 V द्यारं में ८६ (कार्या (करत. में हरें से सिस् ॥ (म. (भ. (भ) क्षित (म. (म. अरक्षम - भ (२ ॥) ४६ (भ. (भ) क्षिय क्षित क्षा १५ (२ ॥) ४६ (भ. (भ) क्षिय क्षित क्षा १५ (२ ॥) १५ (१) (१) (१) (१)

शिक्षिः लाज।

म्पत्रक्ष क्ष्मित प्रम्य प्रम्य म्या ॥

प्राप्त प्रि प्रम्य प्रम

マルルしる कार्य प्रकृष्ट अस्त क्षान (मान भागा, wes win To मयाद्य मियदव (त्रम वश्रीक्व प्रमा ॥ I be with the अ अस्मिक्ष प्रत्य प्राप्त-भावि आपि , where yy . मैंडर प्रतिसिम् में से सर्व मार्ग भागे was a sin pie उभन अशक्त द्वा भाषाता किन। by ever www रिशिष - अधम् तरां प्रमुख रिश्म म

ड्रेस्ट स्टिश्ने अख साम्द्र

वादि नियके।

(2) मित्रीमि रिक्तं क्षेत्री माप ह्याद्री योज्या ॥ मान्या त्रवं मि वि न्नार्य, क्ष्रिमः वं बम्पाण मान्या त्रवं मि वि न्नार्य, क्ष्रिमः वं बम्पाणा॥ इन्नि इ, पि मानार्य साप्त्यं महिष्यः

(1)

(मा. १८०५। त्या म्यूरूप अनुष्यंत र्रा (मा. १८ १८) १८०५ ॥ भारत्यं रेट्र था. ३- (मार्ड्डक् १० वर्ड —

भारत्वं जामीय अधिम

माभ्यांच नर्मेचा। "

ज्ञित्त । क जेर्ने प्रकृति स्वारंग कि मध्यं त्र शक्षकारंग ॥

सार्ष्य स्थाप्त स्थाप्त मेन्स् मेन्स मेन्स् मेन्स मेन्स् मेन्स मेन्स् मेन्स् मेन्स् मेन्स् मेन्स्य मेन

एक (Rin: — र्य द्र द्र द्र द्र भे-ते द्रांत 3011 • भ्रम्भ द्र द्र अध्य- मार्च स्टिश द्र ताति भ्राष्यं स्थाप्तं स्थाप्तं युन्दे

त्रेशं समेलं मर्सेट मिल मर्सेस् रा जिर जा जा जा जा मेंस्य श्रेस्य मिल मर्स मर्स्स श्रेस्य स्रिंस्य मिल म्लेस मर्स्स स्रिंस्य मिल्य मिल्य मेंस्य स्रिंस्य मिल्य मिल्य मेंस्य स्रिंस्य मिल्य मिल्य मेंस्य भारत्वे भ्राप्त भारत्य भारत्य । भारत्वे भारत्य भारत्य भारत्य ।

(ध्यम हिसरं दे,(भ शिक्षं ने क्रायर हिसरं यमा,(२ व्यावं, आवं-सव हिस-

मायान म नाम जा, वं अव्ये रिक्रमा।

िश्रक्षां ॥ नाम्मान् । नाम्मान् । स्ट्रास्त्रम्य (नाम्ने , नाम्मान्यक्षेत्रक्षेत्र) रंग (स्टाइंग ; स्थां स्ट्राह्मां स्ट्राह्

an acir; -

रिश्वम सिमान्न स्मान्यत्वा रिश्वम सिमान्य स्मान्य स्थान स्य

इंहि र्यमान्द्यन्तामा समस्य ॥